उमेश ध्यानी
(असिस्टेंट प्रोफेसर-हिंदी)

भक्तदर्शन, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयहरीखाल

परिचय-

क. अकादमिक अध्ययन-

1. बी.ए.- हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढ़वाल)।
2. एम.ए.(हिंदी)- हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढ़वाल)।

मो. 9837301943

ख. व्यावसायिक अध्ययन-

1. सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा- उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा परिषद्, लखनऊ।
2. बी.एड.- हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढ़वाल)।
3. एम.एड.- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)।

ग. पुरस्कार व योग्यता प्रमाणपत्र-

1. एम.ए. (हिंदी) के लिए हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की योग्यता सूची में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर कुलपति स्वर्ण पदक।
2. असिस्टेंट प्रोफेसर पद हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा **हिंदी विषय** में उत्तीर्ण।
3. असिस्टेंट प्रोफेसर पद हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा **शिक्षाशास्त्र विषय** में उत्तीर्ण।
4. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् की अध्यापक पात्रता परीक्षा-2 उत्तीर्ण।

घ. अन्य प्रशिक्षण-

1. उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी नैनीताल में राज्य स्तरीय कार्मिकों का आधारभूत प्रशिक्षण।
2. एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखंड में ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रवक्ता हेतु अभिप्रेरण प्रशिक्षण।
3. एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली में उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद् के प्रतिनिधि के रूप में प्रश्नपत्र निर्माण का प्रशिक्षण।
4. एन.सी.ई.आर.टी. नयी दिल्ली में एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखंड के प्रतिनिधि के रूप में पाठ्य पुस्तकों के स्थानीय संदर्भीकरण का प्रशिक्षण।

5. एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखंड में राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज प्रधानाचार्य प्रशिक्षण हेतु संदर्भदाता प्रशिक्षण।
6. एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखंड में जनपद स्तर पर राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (NAS) एम.आई.एस. संचालन हेतु प्रशिक्षण।
7. एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखंड में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण, प्रश्न निर्माण हेतु संदर्भदाता प्रशिक्षण।
8. एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखंड द्वारा शिक्षण में सूचना संचार तकनीकी (ICT) उपयोग हेतु संदर्भदाता प्रशिक्षण।
9. निष्ठा (National Initiative for School Heads' and Teachers' Holistic Advancement) प्रशिक्षण हेतु एम.आई.एस. प्रभारी प्रशिक्षण।

च. शोध-अनुभव, संपादन व प्रकाशन व अन्य कार्य-

1. अध्ययन के दौरान महाविद्यालय स्तर पर पत्रिका का संपादन।
2. भाषा-वडोदरा व पहाड़-उत्तराखंड के भारतीय लोक भाषा सर्वेक्षण के उत्तराखंड संस्करण में सहयोग।
3. विभिन्न राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रतिभाग व शोधपत्र प्रस्तुति।
4. शोध पत्रों का प्रकाशन।
5. शोध पत्रिका अनुसन्धान वाटिका में सहायक संपादक के रूप में कार्य।
6. राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2017 कक्षा-3, 5 व 8 में जनपद उत्तरकाशी के एम.आई.एस. प्रभारी के रूप में कार्य।
7. राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2018 कक्षा-10 में जनपद उत्तरकाशी के एम.आई.एस. प्रभारी के रूप में कार्य।
8. ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की वार्षिकी 2017, 2018 व 2019 का संपादन व प्रकाशन।
9. राज्य व जनपद स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण साहित्य निर्माण, संपादन, प्रकाशन व प्रशिक्षण संचालन।
10. निष्ठा (National Initiative for School Heads' and Teachers' Holistic Advancement) प्रशिक्षण हेतु जनपद उत्तरकाशी के एम.आई.एस. प्रभारी के रूप में कार्य व विकासखंड, जनपद, एस.सी.ई.आर.टी. व एन.सी.ई.आर.टी. के मध्य समन्वयन का कार्य।

छ. सदस्यता-

1. राज्य संदर्भ समूह (भाषा) एस.सी.ई.आर टी. उत्तराखंड ।
2. ज़िला संदर्भ समूह (भाषा) ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, उत्तरकाशी।
3. ज़िला संदर्भ समूह (गणित) ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, उत्तरकाशी।

4. ज़िला संदर्भ समूह (विज्ञान) ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, उत्तरकाशी।
5. अकादमिक संदर्भ समूह ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, उत्तरकाशी।

ज. पूर्व चयन-

1. उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षा में सहायक अध्यापक (एल.टी.)-सामान्य के रूप में राज्य स्तरीय चयन।
2. नवोदय विद्यालय समिति द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय में पी.जी.टी.-हिंदी के रूप में अखिल भारतीय चयन।

झ. सेवा अनुभव

1. राज्य लोक सेवा आयोग से चयनोपरांत, कनिष्ठ अभियंता के रूप में उत्तराखंड जल संस्थान में निर्माण, अनुरक्षण, प्रशासन एवं राजस्व संबंधी कार्यों का 3 वर्ष का अनुभव।
2. राज्य स्तरीय चयन के पश्चात् सहायक अध्यापक (एल.टी.)-हिंदी के रूप में उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षा में 4 वर्ष का शिक्षण अनुभव।
3. राज्य लोक सेवा आयोग से चयनोपरांत, प्रवक्ता (हिंदी) के रूप में उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षा में 5 वर्ष का शिक्षण अनुभव।
4. उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा में विभागीय चयन के बाद अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण शाखा के शिक्षक-शिक्षा संस्थान (ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान) में 4 वर्ष का शिक्षक-शिक्षा, पाठ्यक्रम निर्माण, प्रशिक्षण साहित्य निर्माण व मूल्यांकन का अनुभव।
5. राज्य लोक सेवा आयोग से चयनोपरांत मार्च, 2021 से भक्तदर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयहरीखाल में असिस्टेंट प्रोफेसर-हिंदी के पद पर कार्यरत।

ट. वर्तमान संस्थान में उद्देश्य-

1. छात्रों के लिए संदर्भदाता व अध्ययन-सहयोगी होना।
2. हिंदी भाषा, साहित्य अध्ययन व शोध।
3. लोक भाषा, साहित्य समाज व संस्कृति अध्ययन, शोध, संरक्षण व संवर्द्धन।
4. शिक्षक-शिक्षा में सहयोग।